Maharshi Dayanand University Rohtak
March 5 at 2:54 PM ·

MDU Official Facebook page 05.03.2025

रोहतक, 5 मार्च। सर छोटू राम की प्रासंगिकता केवल ऐतिहासिक दृष्टि से नहीं, बल्कि समकालीन संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। उनके आदर्शों को अपनाकर हम एक मजबूत और समान समाज की ओर बढ़ सकते हैं। प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. रघुवेंद्र तंवर ने आज ये उद्गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में व्यक्त किए।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हरियाणा अध्ययन केंद्र, सर छोटू राम शोध पीठ, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग और लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज आईएचटीएम सभागार में- रिसेंट ट्रेंड्स इन हरियाणा रूरल एंड एग्री लाइफ विषय पर आयोजित सर छोटू राम मेमोरियल एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर की-नोट स्पीकर शिरकत की।

प्रो. रघुवेन्द्र तंवर ने सर छोटू राम के योगदान और उनके दृष्टिकोण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए किसानों, श्रमिकों, कृषि सुधार, समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सर छोटू राम ने समाज के कमजोर वर्गों के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी हमारे लिए प्रेरणादायक है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं, जिन्हें अपनाकर आज भी हम किसानों-श्रमिकों और गांव-ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हरियाणा के ग्रामीण और कृषि जीवन पर सर छोटू राम का गहरा प्रभाव है। उन्होंने सर छोटू राम के जीवन एवं विचारों को प्रेरणादायी बताया और विद्यार्थियों से सर छोटू राम द्वारा दिखाई गई राह पर चलने का आह्वान किया। प्रो. मान ने इस महत्वपूर्ण विषय पर इस आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. जे. एस. धनखड़ ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एस. एस. चाहर ने सेमिनार की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। उन्होंने सेमिनार के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए सर छोटू राम के जीवन और विचारों पर चर्चा की। फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज के डीन एवं लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार प्रदर्शन किया।

डॉ. समुन्दर ने की नोट स्पीकर का परिचय दिया। मंच संचालन विद्यार्थी विनीता मौर्य ने किया। इस अवसर पर छोटू राम लॉ कॉलेज के निदेशक डॉ. राजीव जून, एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक, एमडीयू के इतिहास, लोक प्रशासन समेत अन्य विभागों के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी, एमडीयू से संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापक और विद्यार्थी, शिक्षाविद् एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

[Total Pages: 23]

(1)

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication: दैनिक जागरण "जा० सिटी रोहतक"

Date: 06-03-25 Page: IV Column: 1-6

Subject: सर छोटू राम ने समाज के लिए जो संघर्ष किया,......

सर छोटू राम ने समाज के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी प्रेरणादायक : प्रो. तंवर

जागरण संवाददाता • रोहतकः सर छोटू राम की प्रासंगिकता केवल ऐतिहासिक दृष्टि से नहीं, बल्कि समकालीन संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। उनके आदर्शों को अपनाकर हम एक मजबूत और समान समाज की ओर बढ़ सकते हैं। शिक्षाविद् एवं भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. रघुवेंद्र तंवर ने बुधवार को ये विचार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में व्यक्त किए।

सर छोटू राम मेमोरियल के राष्ट्रीय सेमिनार में संबोधित करते प्रो. रघुवेन्द्र तंवर।

एमडीयू में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करते शिक्षक व शोधार्थी।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हरियाणा अध्ययन केंद्र, सर छोटू राम शोध पीठ, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग और लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आईएचटीएम सभागार में कार्यक्रम किया गया। रिसेंट ट्रेंड्स इन हरियाणा रूरल एंड एग्री लाइफ विषय पर आयोजित सर छोटू राम मेमोरियल के एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार किया गया। प्रो. रघुवेन्द्र तंवर ने सर छोटू राम के योगदान और उनके दृष्टिकोण की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए किसानों, श्रमिकों, कृषि सुधार, समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनकी ओर से दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सर छोटू राम ने समाज के कमजोर वर्गों के लिए जो संघर्ष किया, वह आज भी हमारे लिए प्रेरणादायक है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं, जिन्हें अपनाकर आज भी हम किसानों-श्रमिकों और गांव-ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने कहा कि हरियाणा के ग्रामीण और कृषि जीवन पर सर छोटू राम का गहरा प्रभाव है। उन्होंने सर छोटू राम के जीवन एवं विचारों को प्रेरणादायी बताया और विद्यार्थियों से सर छोटू राम की ओर से दिखाई गई राह पर चलने का आह्वान किया। प्रो. मान ने इस महत्वपूर्ण विषय पर इस आयोजन के लिए आयोजकों को सराहा। इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. जेएस धनखड़ ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने सेमिनार की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। फैकल्टी आफ सोशल साइंसेज के डीन एवं लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार प्रदर्शन किया।

डा. समुन्दर ने की नोट स्पीकर का परिचय दिया। मंच संचालन विद्यार्थी विनीता मौर्य ने किया। इस अवसर पर छोटू राम ला कालेज के निदेशक डा. राजीव जून, एफडीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक, एमडीयू के इतिहास, लोक प्रशासन समेत अन्य विभागों के प्राध्यापक, शोधार्थी और विद्यार्थी, एमडीयू से संबद्ध महाविद्यालयों के प्राध्यापक और विद्यार्थी, शिक्षाविद् एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे।

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
Public Relations Office

Name of the Publication: अमर उजाला "M/C रोहतक"
Date: 06-03-25 Page: 04 Column: 4-6
Subject: छोटूराम के आदर्शों को अपना सकते हैं मजबूत समाज

छोटू राम के आदर्शों को अपना बना सकते हैं मजबूत समाज

संवाद न्यूज एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में बुधवार को आईएचटीएम सभागार में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया। जिसका विषय रिसेंट ट्रेंड्स इन हरियाणा रूरल एंड एग्री लाइफ रहा।

यह सेमिनार हरियाणा अध्ययन केंद्र, सर छोटू राम शोध पीठ, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग व लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष प्रो. रघुवेंद्र तंवर ने मुख्य वक्ता शिरकत की। उन्होंने कहा कि सर छोटू राम की प्रासंगिकता केवल ऐतिहासिक दृष्टि से नहीं, बल्कि समकालीन संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। उनके आदर्शों को अपनाकर हम एक मजबूत और समान समाज की ओर बढ़ सकते हैं।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने कहा कि हरियाणा के ग्रामीण और कृषि जीवन पर सर छोटू राम का गहरा प्रभाव है। प्रो. जेएस धनखड़ ने स्वागत भाषण दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने सेमिनार की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। फैकल्टी ऑफ सोशल साइंसेज के डीन व लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने आभार प्रदर्शन किया।